ओल्यू आप री आवे मारा सतगुरु याद आपकी आवे जी

ओल्यू आप री आवे मारा सतगुरु,
याद आपकी आवे जी,
याद करू जद रेवो हिरदा में,
पल पल याद सतावे जी।bd।

चेत में चिंता गणि लागी,
गुरु बिना कोन मिटावे जी,
ओर दवाई काम नही आवे,
शब्दा से रोग कट जावे जी।bd।

बैशाख में भंवरा ज्यूँ भटकूँ,
बाग नजर नही आवे जी,
खिल रिया फूल छिटक री कलिया,
भंवर वासना लेवे जी।bd।

जेठ महीनों ऋतु गर्मी की,
जल बिना जीव दु:ख पावेजी,
आप गुरू जी मारे इंदर सामना,
अम्रत बूंद बरसावे जी।bd।

आसाढ़ में आशा गणि लागी,
पपयो शोर माचवे जी,
आप गुरु सा अम्रत बूंदा,
भर भर प्याला पावे जी।bd।

सावन में सायब घर आया,
सखिया मंगल गावे जी,
सोना का थाल लिया दोई हाथा,
मोतिया कलश सजावे जी।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

भादवो भक्ति को महीनों,
गुरु बिना कोन बतावे जी,
धर्मदास जी री अर्ज विनती,
चरणों मे शीश नमावे जी।bd।

ओल्यू आप री आवे मारा सतगुरु,
याद आपकी आवे जी,
याद करू जद रेवो हिरदा में,
पल पल याद सतावे जी।bd।

भजन गायक – चम्पा लाल प्रजापति।
(मालासेरी डुंगरी) 89479-15979

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com